इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय

Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya

शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र

Shaheed Gundadhoor College of Agriculture & Research Station

कुम्हरावण्ड, जगदलपुर – 494005 Kumhrawand, Jagdalpur – 494005 (C.G.)

Ph. (O) - 07782 - 229150 (Fax) 229360 (R) 229343 Email - zars_igau@rediffmail.com

क्रं. –47. 13 / 06 / 2017

क्र. / श.गु.कृ.महा.एवं अनु.केन्द्र / 2017–18 / GKMS *जगदलपुर, दिनांक 13 / 06 / 2017*

बस्तर पठार कृषि जलवायु क्षेत्र के लिए कृषि सलाह सेवा बुलेटिन (09 से 13 जून 2017)

पिछले सप्ताह की विशिष्ठ मौसम स्थितियाँ

वर्षा मि.मी.	89.2
अधिकतम तापमान डिग्री. से.	29.6 - 34.3
न्युनतम तापमान डिग्री. से.	21.2 - 23.8
सापेक्ष आर्द्रता प्रतिशत	58 - 96
वायु गति कि.मी. / घंटा	4.5 - 6.4

पिछले सप्ताह कृषि मौसम वेधशाला, कुम्हरावण्ड में मि.मी. 89.2 वर्षा दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 29.6 से 34.3 डिग्री सेंग्रे. के बीच रहा। न्यूनतम तापमान 21.2 से 23.8 डिग्री सेग्रे. के मध्य रहा। सापेक्ष आर्द्रता 58 से 96 प्रतिशत के मध्य दर्ज की गई। वायु गति 4.5 से 6.4 किमी. / घंटा के मध्य रही।

14 से 18 जून 2017 तक मौसम पुर्वानुमान बस्तर

मौसम कारक	पुर्वानुमान				
	दिवस –1 14 जून	दिवस –2 15 जून	दिवस –3 16 जून	दिवस –4 17 जून	दिवस –5 18 जून
वर्षा मि.मी.	**9**	**7**	**4**	**8**	**6**
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रें)	**32**	**32**	**32**	**32**	**33**
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रें)	**24**	**24**	**24**	**23**	**23**
कुल बादल की मात्रा (प्रतिशत)	**87.5**	**75**	**87.5**	**87.5**	**100**
सापेक्ष आर्द्रता (सुबह / शाम)	**95/75**	**95/75**	**95/75**	**95/75**	**95/75**
वायु गति कि. मी. / घण्टा एवं दिशा	**9/SW**	**9/SW**	**9/SW**	**8/SW**	**9/SW**

भारत मौसम विज्ञान विभाग रायपुर द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले **5** दिनो में छत्तीसगढ़ के बस्तर पठारी भाग में बारिश होने एवं बादल छायें रहने की तथा हवा में **75 से 95** प्रतिशत नमी होने की संभावना है। अधिकतम तापमान लगभग **32 से 33**°C रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **23 – 24**°C के बीच दर्ज किए जाने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा **दक्षिण–पश्चिम** दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **8 से 9** किलोमीटर / घंटा रहने कि संभावना है।

कृषि मौसम सलाह :–

बीजोपचार

खरीफ मौसम के फसलो के बीजों का बीजोपचार जरूर करें।

- **(क) अदैहिक दवायेंः–** इन दवाओं से उपचारित करने पर सभी फसलों के बीज सतह पर मौजूद फफूंद नष्ट जाती है। इनमें प्रमुख थीरम, केप्टान, डायथेन एम–45। इन दवाओं की 3.5 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की दर से उपयोग करें।
- **(ख) दैहिक दवायेंः–** इन दवाओं से उपचारित करने से बीज के भीतर मौजूद फफूंद नष्ट हो जाती है साथ ही यह बीजांकुर को भी 15–20 दिनों तक रोगों से सुरक्षा प्रदान करती है। इनमें मुख्यतः वीटावैक्स एवं बाविस्टिन का उपयोग 2 से 2.5 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीजदर से उपयोग में लाना चाहिए।
- **(ग) जैव उत्पाद (बायोएजेन्ट)** – ट्राइकोड्रमा हारजियनम या ट्राइकोड्रमा विरिडी 6–8 ग्राम प्रति किलोग्राम बीजदर से उपचारित करे तथा आवश्यकता होने पर जीवाणु स्यूडोमोनास फ्यूरोसेन्स से भी बीजोपचार करे।

खरीफ फसल

असिंचित मध्य भूमि हेतु उन्नत किस्में और उनके गुण

भूमि के प्रकार	किस्म	अवधि (दिनों में)	सामान्य उपज क्षमता (क्वि./हे.)	विवरण
खरीफ फसलें				
10 वर्ष तक की उम्र वाली किस्में				
असिंचित – मध्य भूमि	इंदिरा बारानी धान–1*	111-115	35-45	मध्यम पतला दान, बारानी खेती में उथली निचली भूमि हेतु उपयुक्त, सूखा के प्रति मध्यम सहनशील, तनाछेदक हेतु सहनशील
	सम्लेश्वरी*	105-112	35-45	हरूना, अर्ध बौना, पतला दाना, उच्च गंगई निरोधक एवं झुलसा रोग हेतु सहनशील, गीष्मकालीन खेती हेतु भी उपयुक्त, सीधे बुवाई हेतु उपयुक्त एवं सूखा सहनशील
	आई.आर. – 64 ड्राउट	115-120	40-45	बौना, लम्बा पतला दाना, सूखा निरोधक
	चन्द्रहासिनी*	120-125	40-45	अर्ध बौनी,

		इंदिरा एयरोबिक–1*	115-120	45-50	एरोबिक अवस्था हेतु अनुशंसित (आवश्यकता पड़ने पर सिंचाई), नेक ब्लास्ट तथा पर्ण सड़न हेतु प्रतिरोधी
		कर्मा मासूरी*	125-130	45-50	अर्ध बौनी, मध्यम पतला दाना, खाने में उपयुक्त, गंगई निरांधक एवं झुलसा रोग सहनशील
		आईजीकेव्ही आर.–1* (इंदिरा राजेश्वरी)	120-125	45-50	अर्ध बौनी, लम्बा–मोटा दाना, पोहा एवं मुरमुरा के लिये उपयुक्त लीफ ब्लास्ट, गंगई, भूरा धब्बा हेतु मध्यम निरोधक
		आईजीकेव्ही आर.–2* (इंदिरा दुर्गेश्वरी)	125-130	44-50	लम्बा–पतला दाना, झुलसा रोग हेतु निरोधकता, शीथ ब्लाइट एवं शीथ रॉट हेतु मध्यम निरोधकता, खाने में उपयुक्त
		आईजीकेव्ही आर.–1244* (इंदिरा महेश्वरी)	130-135	45-50	लम्बा–पतला दाना, शीथ ब्लाइट एवं गंगई हेतु निरोधकता भूरा माहो एवं तनाछेदक हेतु सहनशीलता खाने में उपयुक्त
	10 वर्ष से अधिक उम्र वाली किस्में				
	असिंचित–मध्य भूमि	आई. आर. 36	115-120	40-45	बौनी, लम्बा पतला दाना, गंगई ब्लास्ट, ब्लाइट के प्रति सहनशील
		आई. आर. 64	115-120	40-45	बौनी, लम्बा पतला दाना, झुलसन एवं झुलसा रोग के पगति सहनशील
		क्रान्ति*	125-130	40-45	बौनी मोटा दाना, सूखा सहनशील, पोहा हेतु उपयुक्त, उच्च उपज क्षमता
		महामाया*	125-128	40-45	बौनी, मोटा दाना, पोहा हेतु उपयुक्त, गंगई निरोधक उच्च उपज क्षमता
		एम.टी.यू.	112-115	40-45	अर्ध बौना, लम्बा पतला दाना

	1001			

असिंचित उच्च भूमि (अप–लैण्ड) हेतु उन्नत किस्में और उनके गुण

भूमि के प्रकार	किस्म	अवधि (दिनों में)	सामान्य उपज क्षमता (क्वि./हे.)	विवरण
खरीफ फसलें				
10 वर्ष तक की उम्र वाली किस्में				
असिंचित – भूमि	सम्लेश्वरी	105-112	30-40	हरूना, अर्ध बौना, पतला दाना, उच्च गंगई निरोधक एवं झुलसा रोग हेतु सहनशील, गीष्मकालीन खेती हेतु भी उपयुक्त, सीधे बुवाई हेतु उपयुक्त एवं सूखा सहनशील
	इंदिरा बारानी धान–1*	111-115	30-40	मध्यम पतला दाना, बारनी खेती में उथली निचली भूमि हेतु उपयुक्त सूखा के प्रति मध्यम सहनशील, तनाछेदक, ब्लाइट हेतु सहनशील
	सहभागी धान	110-112	30-40	लीफ ब्लास्ट के लिये रोगरोधिता
10 वर्ष से अधिक उम्र वाली किस्में				
असिंचित– उच्च भूमि	कलिंगा – 3	80-90	25-30	अति हरूना, मध्यम ऊॅचा
	आदित्य	85-95	25-30	अति हरूना, अर्ध बौना, ब्लास्ट प्रतिरोधी
	अन्नदा	100-110	30-35	हरूना, अर्ध बौना, सूखा रोधी मोटा दाना
	दन्तेश्वरी*	100-105	30-35	हरूना, अर्ध बौना, लम्बाा, पतला दाना गंगई निरोधक, ग्रीष्मकालीन खेती हेतु उपयुक्त
	पूर्णिमा*	100-105	30-35	हरूना, अर्ध बौना, लम्बाा, पतला दाना, सूखा सहनशील

- ❖ गर्म हवाओं से फसलों एवं पशुओं की रक्षा करें।
- ❖ भण्डारण पूर्व बीजों को अच्छी तरह सुखा ले तथा बीजों में नमी 12–14 प्रतिशत से अधिक नही होनी चाहिये। भण्डारण हेतु अच्छे भण्डारण पात्रों का उपयोग करें।
- ❖ छोटे पौधें में सिचाई हेतु मटकी विधि या पाइप विधि का उपयोग करें।
- ❖ गर्मी में तोरई एवं गिलकी का बुआई आरंभ करें।
- ❖ खाली खेतों में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी अकरस जुताई करें।
- ❖ वर्ष भर पशुओं हेतु हरे चारें के लिए वरसीम + सरसों – हाइब्रिड नेपियर – लोबिया अपनायें।
- ❖ हरी खाद हेतु सनई की बुवाई करें।
- ❖ किसी भी बीज Arencies से उन्नत व शुद्ध बीज किसान भाई अपने पास रख लेवें।
- ❖ बीज को फॅफूदनाशक से उपचारित करने के पश्चात् ही फसल की बुआई करें।
- ❖ गभार भूमि में देर से पकने वाली धान की बुआई करें।
- ❖ रोपाई हेतु 25–30 कि.ग्रा. धान बीज प्रति हेक्टे. पर्याप्त होता है। जिसे 1 हे. का दसवा भाग लगाये।
- ❖ निंदानाशक का उपयोग जैसे– साथी 100 ग्राम का प्रति एकड़ बुआई के 2–3 दिन पश्चात् (Nominogold) खरपतवार जब 3 से 6 पत्तियों के बीच हो या 20 से 25 दिन पश्चात् तथा whips super + olmix को 35–40 दिन पश्चात् उपयोग करें।
- ❖ पौधें लगाने के लिऐ गड्डे खोदे गए है उसमें गोबर का खाद मिलाये।

सब्जी	❖ टमाटर, मिर्च, बैंगन का नर्सरी तैयार करें।
पशुपालन	❖ दुधारू पशु में होने वाले घातक रोग –गलघोंटू (एच.एस.)एकटंकी (बी.क्यू.)एन्थ्रैक्स (प्लीहा रोग)खुरपका मुॅहपका (एफ.एम.डी.)कृमि रोग (वर्मस)थनैला रोग (मस्टाइटिस) बचाव के लिए पशु चिकित्सक की सलाह के बाद टीकाकरण करें। कृमि रोकथाम के लिए बरसात से पहले व बरसात के बाद में सभी पशुओं को कृमिनाशक दवा खिललायें। पाइपेराजीन, वेनमिनथ, अलवेन्डाजोन, पानाक्योर या निकट के पशु चिकित्सक की सलाह से दिया जा सकता है। दवाई मिला पशु आहार इसके लिए सरल व सस्ता उपाय है। वेटफेन–600 पशु चिकित्सकों की सलाह से दिया जा सकता है। अधिक जानकारी एवं उपचार हेतु निकट के पशु चिकित्सक से परामर्श करें।

प्रयोजक – भारतीय मौसम विभाग (भूमि विज्ञान मंत्रालय), नई दिल्ली, सहयोग–अखिल भारतीय समन्वित बारानी खेती परियोजना, हैदराबाद

अधिष्ठाता